डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय : अध्यक्ष महोदय, इन तथ्यों को देखते हुए हमें विशेषाधिकार का प्रश्न उठाने दिया जाये ।

MR. SPEAKER: Let me verify it. The hon. Member gave it to me at 10.59 a.m. How can I see it? How can I allow it? It is very wrong. Normally, this should have come after 24 hours. The hon. Member did not give me any time to see it.

श्री ईश्वर चौधरी (गया) : अध्यक्ष महोदय मुझे माननीय सचिव, लोक सभा, द्वारा एक पत्र, मिला है । उस मे लिखा है कि श्री ईश्वर चौधरी को व्यक्तिगत जमानत पर रिहा किया जाता है और सुपरिन्टेंडेंट, बांकीपुर जेल, पटना में रिहा किया है ।

MR. SPEAKER: I had received this only at 10.59 a.m. Let the hon. Member kindly sit down now.

श्री ईश्वर चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैंने 10 अगस्त को शिमला समझौते के विरुद्ध और बिहार को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की पवित्र मांगों को ले कर सत्याग्रह किया था। बिहार की निकम्मी सरकार ने मुझे 10 अगस्त से 28 अगस्त तक जेल में रखा । 28 अगस्त को 10.15 बजे रात को मुझे कहा गया कि आप को रिहा किया जाता है । यहां पर कहा जाता है कि मुझे व्यक्तिगत जमानत पर रिहा किया गया । मुझ से व्यक्तिगत जमानत की मांग नही की गई, मुझे न किसी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न किसी बेल बांड पर मेरे दस्तख़त लिये गये । इस बात से मेरे व्यक्तिगत सम्मान को आघात पहुचा है । इसलिए आप मुझे विशेषाधिकार का मामला उठाने दें ।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बैठ जायें ।

11.39 hrs.

RE: FLOODS IN WEST BENGAL

MR. SPEAKER: Now Shri Manoranjan Hazra. . . . .

SHRI B. N. REDDY (Niryalguda): I want to make a submission in regard to the drought in Andhra Pradesh. . . .

MR. SPEAKER: I have called Shri Manoranjan Hazra.

SHRI MANORANJAN HAZRA (Arambagh): I beg to submit that after having been hurt by the unprecedented drought, the entire State of West Bengal has been affected with serious floods at present especially the Lower Damodran basin, that is, from the south west of the Burdwan district to the shore of the sea, that is, the districts of Howrah and Midnapur with Arambagh sub-division of Hooghly have been badly affected. I would request the hon. Minister to take note of It. As you know, Sir, the Government of West Bengal could not prove themselves to be worthy and competent to cope with the situation.

Therefore, Central aid and help should be sent immediately to rescue the flood-stricken people of West Bengal. I request you to convey this to the hon Minister.

11.40 hrs.

RE: ARREST AND DETENTION OF MEMBER—*contd.*

MR. SPEAKER: Shri Ishwar Chaudhry. He has given two or three communications.

श्री ईश्वर चौधरी (गया) : अध्यक्ष महोदय, गया सेंट्रल जेल बिहार में 2-9-72 को कैदियों पर गोली चली है जिस से कैदी मारे गए हैं और 55 कैदी घायल हुए हैं जिन में 7 की स्थिति अति गंभीर है। मैं जेल से आया हूं । मुझे वहां की स्थिति का अनुभव है । सारे बिहार की जेलों की स्थिति बहुत खराब है ।

MR. SPEAKER: It is a State matter. It cannot come within the cognisance of the Central Minister.

श्री ईश्वर चौधरी : गया सेंट्रल जेल में 13 सौ की जगह पर 2,300 से भी अधिक कैदी रखे गए हैं । इन का खाने का अन्न सारा चोर-बाजारी में सरकारी अफसरों द्वारा जा रहा है, इनके कपड़े जा रहे हैं । वहां इन के लिए न पानी का इंतजाम है न पाखाने का इंतजाम है । स्थिति